

बैंक ऑफ़ इंडिया  
Bank of India

**BOI**



सुनहरे भविष्य की ओर  
Reshaping the future

वार्षिक रिपोर्ट | ANNUAL REPORT  
2021-2022



श्री मुनीश कुमार रल्हन, श्री एम.कार्तिकेयन (कार्यपालक निदेशक), श्री सुब्रत दास, श्री पी.आर.राजगोपाल (कार्यपालक निदेशक), सुश्री मोनिका कालिया (कार्यपालक निदेशक), श्री अतनु कुमार दास (एमडी एवं सीईओ), श्री स्वरूप दासगुप्ता (कार्यपालक निदेशक), सुश्री वेणी थापर, डॉ भूषण कुमार सिन्हा, श्री पी.एन.प्रसाद

Shri Munish Kumar Ralhan, Shri M. Karthikeyan (Executive Director), Shri Subrata Das, Shri P R Rajagopal (Executive Director), Ms. Monika Kalia (Executive Director), Shri Atanu Kumar Das (MD & CEO), Shri Swarup Dasgupta (Executive Director), Ms. Veni Thapar, Dr. Bhushan Kumar Sinha, Shri P N Prasad

बैंक ऑफ इंडिया / Bank of India	महत्वपूर्ण सूचनाएँ		Important Information	
<b>(भारत सरकार का उपक्रम),</b> <b>(A Government of India undertaking),</b> <b>प्रधान कार्यालय:</b> स्टार हाउस, सी-5, जी ब्लॉक, बांद्रा-कुर्ला काम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400 051. फोन : 022 - 6668 44 44 ई-मेल : HeadOffice.share@bankofindia.co.in वेबसाइट: www.bankofindia.co.in  Head Office : Star House, C-5, G Block, Bandra-Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai - 400 051. Phone : 022- 6668 44 44 E-mail : HeadOffice.share@bankofindia.co.in Website : www.bankofindia.co.in	लाभांश के भुगतान और ई वोटिंग तथा वीसी के माध्यम से एजीएम में सहभागिता करने के लिए रिकॉर्ड तिथि।	08.07.2022	Record Date for payment of dividend and E-voting and to participate in AGM through VC	08.07.2022
	लेखाबंदी तिथि (दोनों दिन शामिल)	09.07.2022 से 15.07.2022	Book Closure dates (both days inclusive)	09.07.2022 to 15.07.2022
	रिमोट ई-वोटिंग	शुरू - 11 जुलाई 2022 (सुबह 9.00) समाप्त - 14 जुलाई 2022 (शाम 5.00)	Remote E-voting	Start - 11th July 2022 (9.00 AM) End – 14th July 2022 (5.00 PM)
	26वीं वार्षिक आम बैठक	15 जुलाई, 2022 दोपहर 12.00 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंस (वीसी)/अन्य ऑडियो विजुअल माध्यम (ओएवीएम) माध्यम से	26 <sup>th</sup> Annual General Meeting	15 <sup>th</sup> July, 2022 at 12.00 noon through Video Conferencing (VC) / Other Audio Visual Means (OAVM)

## विषय सूची

## Contents

अवलोकन  
Overview

2	सांविधिक लेखा परीक्षक
2	महाप्रबंधक
3	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का वक्तव्य

2	Statutory Auditors
2	General Managers
3	Managing Director & CEO's Statement

सांविधिक रिपोर्ट  
Statutory Reports

7	निदेशक रिपोर्ट
15	प्रबंधन विचार - विमर्श एवं विश्लेषण
52	कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व रिपोर्ट
54	कॉरपोरेट शासन रिपोर्ट
75	निदेशकों की गैर - अयोग्यता प्रमाणपत्र
76	सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट (फार्म MR-3)
81	सीईओ/सीएफओ प्रमाणीकरण
81	मुख्य कार्यपालक अधिकारी की घोषणा
82	सत्यनिष्ठा संधि
230	बासेल-III (स्तंभ 3) - प्रकटन
286	आम बैठक की सूचना
301	हरित पहल

11	Directors' Report
35	Management Discussion & Analysis
52	Corporate Social Responsibility Report
54	Corporate Governance Report
75	Certificate of Non-disqualification of Directors
76	Secretarial Audit Report (Form - MR-3)
81	CEO/CFO Certificate
81	Declaration by CEO
82	Integrity Pact
259	Basel-III (Pillar 3) - Disclosures
286	Notice of Annual General Meeting
301	Green Initiative

वित्तीय विवरण  
Financial Statements

84	तुलनपत्र
85	लाभ एवं हानि खाता
86	नकदी प्रवाह विवरण
94	महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ
107	खातों के भाग स्वरूप टिप्पणियाँ
162	स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट
175	समेकित वित्तीय विवरण

84	Balance Sheet
85	Profit & Loss Account
86	Cash Flow Statement
94	Significant Accounting Policies
107	Notes Forming Part of Accounts
162	Independent Auditor's Report
175	Consolidated Financial Statements

## सांविधिक लेखा परीक्षक Statutory Auditors

मेसर्स वी शंकर अय्यर एण्ड कं., सनदी लेखाकार  
मेसर्स लक्ष्मी तृप्ति एण्ड एसोसिएट्स, सनदी लेखाकार  
मेसर्स मुकुंद एम चितले एंड कंपनी, सनदी लेखाकार

M/s. V Sankar Aiyar & Co, Chartered Accountants  
M/s. Laxmi Tripti & Associates, Chartered Accountants  
M/s Mukund M Chitale & Co., Chartered Accountants

## मुख्य महाप्रबंधक Chief General Managers

लक्ष्मीनारायण रथ (सी.वी.ओ.)  
मनोज दास  
प्रकाश कुमार सिन्हा  
अभिजीत बोस, सी.सी.ओ.  
अशोक कुमार पाठक

LAXMINARAYAN RATH (C.V.O.)  
MONOJ DAS  
PRAKASH KUMAR SINHA  
ABHIJIT BOSE, C.C.O.  
ASHOK KUMAR PATHAK

## महाप्रबंधक General Managers

श्रीनिवास रवि कुमार जोस्युला	SRINIVASA RAVI KUMAR JOSYULA	कामेश मंथा	KAMESH MANTHA
अरुण कुमार जैन	ARUN KUMAR JAIN	विश्वजीत सिंह	VISHWAJEET SINGH
लाल ब्रज	LAL BRIJ	सुरेंद्र मोहन बंसल	SURENDER MOHAN BANSAL
सुधीरंजन पाढ़ी	SUDHIRANJAN PADHI	प्रमोद कुमार बथल	PRAMOD KUMAR BATHAL
श्रीपाद दिनानाथ सिनाई कारापुरकर	SRIPAD DINANATA SINAI CARAPURCAR	राघवेंद्र कुमार	RAGHVENDRA KUMAR
राजेश कुमार राम	RAJESH KUMAR RAM	मुकुंद दिगंबर कुलकर्णी	MUKUND DIGAMBAR KULKARNI
शिव बजरंग सिंह	SHIV BAJRANG SINGH	प्रशांत थपलियाल	PRASHANT THAPLIYAL
सुनील शर्मा	SUNIL SHARMA	उदलोक भट्टाचार्य	UDDALOK BHATTACHARYA
धर्मवीर सिंह शेखावत	DHARMVEER SINGH SHEKHAWAT	प्रमोद कुमार द्विवेदी	PRAMOD KUMAR DWIBEDI
पिनपाला हरि किशन	PINAPALA HARI KISHAN	अमिताभ बनर्जी	AMITABH BANERJEE
प्रफुल्ल कुमार गिरी	PRAFULLA KUMAR GIRI	राजेश सदाशिव इंगळे	RAJESH SADASHIV INGLE
लोकेश कृष्णा	LOKESH KRISHNA	राधा कांता होता	RADHA KANTA HOTA
शारदा भूषण राय	SHARDA BHUSHAN RAI	बी कुमार, सी.आर.ओ.	B KUMAR, C.R.O.
कुलदीप जिंदल	KULDEEP JINDAL	अश्विनी गुप्ता	ASHWANI GUPTA
गिरीश कुमार सिंह	GIRISH KUMAR SINGH	पुखराज पानगड़िया	PUKH RAJ PANGRIYA
वेंकटाचलम आनंद	VENKATACHALAM ANAND	गीता नागराजन	GEETHA NAGARAJAN
ज्ञानेश्वर जगन्नाथ प्रसाद	GYANESHWAR JAGANNATH PRASAD	शशिधरन मंगलमकत	SASIDHARAN MANGALAMKAT
राजेंद्र मान पांडे	RAJENDRA MAN PANDEY	विलास रामदासजी पराते	VILAS RAMDASJI PARATE
नितिन गोविंदराव देशपांडे	NITIN GOVINDRAO DESHPANDE	बिस्वजीत मिश्रा	BISWAJIT MISHRA
बिक्रम केशरी मिश्र	BIKRAM KESHARI MISHRA	शंकर सेन, सी.एफ.ओ.	SANKAR SEN, C.F.O.



## प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का वक्तव्य Managing Director & CEO's Statement



प्रिय शेयरधारकों एवं हितधारकों,

1. सर्वप्रथम, मैं आपके बैंक की 26वीं वार्षिक आम बैठक में आपका हार्दिक स्वागत करता हूँ। 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आपके बैंक की वार्षिक रिपोर्ट आपके समक्ष रखते हुए मुझे बहुत प्रसन्नता है।
2. वर्ष 2021-22 में एक रोचक एवं चुनौतीपूर्ण प्रवृत्ति थी जिसमें दुनिया भर में टीकाकरण अभियान चलते रहे और एक के बाद एक कोविड-19 के म्यूटेंट स्ट्रेन आते रहे। साथ ही, वैश्विक अर्थव्यवस्था, जिसमें वर्ष 2020 में 3% की गिरावट आई थी, धीरे-धीरे वापस ऊपर उठने लगी, हालांकि महामारी के कारण उसमें बीच-बीच में रुकावटें भी आईं। आईएमएफ के अनुमान के अनुसार, वैश्विक अर्थव्यवस्था ने 2021 में 6.1% की वृद्धि दर्ज की और विश्व व्यापार की मात्रा में 10.1% की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि 2020 के दौरान (-) 7.9% की वृद्धि हुई थी।
3. हालांकि अर्थव्यवस्था की बहाली हो रही थी, महामारी के कारण आवाजाही में भिन्न-भिन्न डिग्री में प्रतिबंध अभी भी लगाए जा रहे थे, जो औद्योगिक उत्पादन को प्रभावित कर रहे थे और आपूर्ति में बाधा उत्पन्न कर रहे थे। विभिन्न क्षेत्रों में आपूर्ति व्यवधानों के कारण लगभग सभी देशों में मुद्रास्फीति का दबाव नज़र आ रहा था। मुद्रास्फीति से लड़ने के उपाय के रूप में, मौद्रिक अधिकारियों द्वारा पहले अनुग्रहपूर्ण दिए गए नीतिगत समर्थन के निराकरण स्वरूप नीतिगत दरों को बढ़ाया गया है और संपत्ति खरीद कार्यक्रम को धीमा कर दिया गया है। वर्ष के अंत में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के कारण आर्थिक गतिविधियों में व्यवधान और वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हुई जिससे स्थिति और भी बिगड़ गई है।
4. हमारे देश में भी, सरकार और आरबीआई द्वारा कई नीतिगत उपाय किए गए जिसके फलस्वरूप अर्थव्यवस्था में टर्नराउंड आया। 2020-21 के दौरान जीडीपी में 6.6% की गिरावट आई इसकी तुलना में 2021-22 के दौरान जीडीपी में 8.7% की वृद्धि हुई और इसके साथ ही अर्थव्यवस्था पूर्व-कोविड स्तर पर लौट आई। तथापि, वर्ष के दौरान मुद्रास्फीति ऊंचे स्तर पर बनी रही और खुदरा मुद्रास्फीति वर्ष के अंत तक 5% से कम से बढ़कर 7% से अधिक हो गई।

Dear Shareholders & Stakeholders,

1. At the very outset, I extend a very warm welcome to each one of you to the 26th Annual General Meeting of your Bank. I have great pleasure in placing before you the Annual Report of your Bank for the year ended March 31, 2022.
2. The year 2021-22 featured an interesting and challenging trend with vaccination drive progressing across the globe along with resurfacing of mutant strains of COVID-19 one after another. Simultaneously, global economy, which had contracted by over 3% in 2020, gradually started bouncing back, of course, halted intermittently by the pandemic. As per the estimate of IMF, global economy registered a growth of 6.1% in 2021 and world trade volume rose by 10.1% as against (-) 7.9% growth during 2020.
3. Although recovery was taking place, pandemic induced movement restrictions were still there in varying degrees, affecting industrial production and causing supply bottlenecks. Supply disruptions across various sectors also gave rise to build up of inflationary pressure, almost across all the countries. As a measure to fight inflation, the accommodative policy support extended earlier by the monetary authorities took gradual reversal in terms of raising of policy rates and slowing down of asset purchase programme. The breakout of Russia-Ukraine war towards the year-end further exacerbated the situation by way of disruption in economic activities and increase in commodity prices.
4. Domestically also, the economy did a turn-around supported by various policy measures by the Government as well as RBI. The GDP grew by 8.7% during 2021-22 against contraction of 6.6% during 2020-21 and with this, the economy returned to the pre-Covid level. However, inflation remained at elevated level during the year and retail inflation rose from below 5% to over 7% by the year-end.

5. बैंकिंग उद्योग ने 2020-21 के दौरान 5.6% की तुलना में 2021-22 के दौरान 9.6% की उच्च ऋण वृद्धि देखी, जिसमें कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्रों के लिए ऋण प्रवाह में वृद्धि हुई। एनपीए में कमी और लाभ स्तर में वृद्धि के साथ बैंकों के वित्तीय कार्यनिष्पादन में भी सुधार हुआ। तथापि, विभिन्न कारकों जैसे कि कच्चे तेल की उच्च कीमत, उच्च मुद्रास्फीति स्तर और अमेरिका में सरकारी बांड प्रतिफल में वृद्धि की वजह से सरकारी प्रतिभूतियों से प्रतिफल कम हो गए और बैंकों की गैर-व्याज आय विशेष रूप से वर्ष की दूसरी छमाही में प्रभावित हुई।
6. भारतीय रिजर्व बैंक ने नीतिगत दरों में कोई परिवर्तन नहीं किया और साथ ही विभिन्न विकासोन्मुखी और चलनिधि बढ़ाने वाले उपायों जैसे टीएलटीआरओ का विस्तार, स्वास्थ्य सेवा, होटलों और पर्यटन कंपनियों को चलनिधि समर्थन, लघु वित्त बैंकों के लिए विशेष दीर्घावधि रेपो परिचालन, एकल और लघु कारोबार खातों के लिए समाधान का विस्तार आदि को भी जारी रखा। इसके अलावा, सरकार द्वारा कई नीतिगत उपायों की घोषणा की गई थी जैसे हेल्थकेयर और पर्यटन क्षेत्रों के लिए ऋण गारंटी योजना, ईसीएलजीएस के तहत अतिरिक्त ₹1.5 लाख करोड़ का गारंटी कवर, सूक्ष्म वित्त संस्थानों (एमएफआई) के लिए ऋण गारंटी, पर्यटक गाइडों/स्टेकधारकों के लिए विशेष ऋण योजनाएं, पीएलआई योजना का विस्तार आदि। इसके साथ ही केंद्रीय बजट 2022-23 में 'गति शक्ति' परियोजना सहित बुनियादी संरचना के खर्च पर अधिक परिव्यय से विकास की गति में तेजी आने की उम्मीद है।
7. उपर्युक्त पृष्ठभूमि में, मैं आपके बैंक द्वारा, वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान आरंभ की गई नई पहलें तथा बैंक के कार्य-निष्पादन संबंधी प्रमुख विशेषताएं आपके समक्ष प्रस्तुत करता हूँ।
  - हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि आपके बैंक ने वित्त वर्ष 22 के दौरान, ₹. 3405 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया है जो पिछले वर्ष की तुलना में 57.60% अधिक है। इसके साथ ही बैंक के निदेशक मंडल ने आगामी एजीएम में शेयरधारकों द्वारा अनुमोदन के अध्यक्षीय इक्विटी शेयरों पर 20% के लाभांश की संस्तुति है।
  - बैंक की आस्तियों पर प्रतिफल (आरओए) वित्त वर्ष 21 में 0.28% से बढ़कर वित्त वर्ष 22 में 0.43% हो गया और इक्विटी पर प्रतिफल (आरओई) 8.81% से बढ़कर 10.55% हो गया।
  - ईपीएस वित्त वर्ष 21 में ₹. 6.59 से सुधरकर वित्त वर्ष 22 में ₹. 8.84 हो गया।
  - वित्त वर्ष 22 के लिए ऋण लागत 1.80% से घटकर 0.75% हो गई।
  - स्लिपेज अनुपात वित्त वर्ष 21 में 2.41% से घटकर वित्त वर्ष 22 में 2.15% हो गया।
  - पूंजी पर्याप्तता अनुपात मार्च 2021 में 14.93% से बढ़कर मार्च, 2022 में 17.04% हो गया है।
  - घरेलू कासा में वर्ष दर वर्ष 9.26% की वृद्धि हुई तथा कासा प्रतिशत मार्च 2021 में 41.27% से बढ़कर मार्च 2022 में 45.02% हो गया है।
  - वैश्विक अग्रिमों में वित्तीय वर्ष 2021 के दौरान 1.46% की कमी के मुकाबले वर्ष दर वर्ष 11.35% की वृद्धि हुई।
  - आर.ए.एम अग्रिमों में वर्ष-दर-वर्ष 15.70% की वृद्धि हुई तथा कुल अग्रिमों में इसकी हिस्सेदारी 51.66% से बढ़कर 54.97% हो गई है।
  - प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों के अग्रिमों में वर्ष-दर-वर्ष 9.12% की वृद्धि हुई और कृषि ऋणों की हिस्सेदारी 18% के अनिवार्य लक्ष्य को प्राप्त करते हुए वर्ष के दौरान एएनबीसी में इसकी हिस्सेदारी 41.55% रही।
5. The banking industry witnessed a higher credit growth of 9.6% during 2021-22 against 5.6% during 2020-21, with increase in credit flow to agriculture, industries and services sectors. The financial performance of Banks also improved with reduction in NPAs and rise in profit level. However, non-interest income of banks was impacted due to hardening of G-Sec yield, especially towards the second half of the year, because of various factors, such as, higher crude oil prices, high inflation level and rise in government bond yield in US.
6. RBI maintained accommodative policy stance with no change in policy rates and also continued with various growth oriented and liquidity enhancing measures such as extension of TLTRO, liquidity support to healthcare, hotels and tourism entities, special long term repo operation for Small Finance Banks, extension of resolution for individual and small business accounts. Also, a number of policy measures were announced by the Government, such as, Loan guarantee scheme for healthcare and tourism sectors, additional 1.5 lakh crore guarantee cover under ECLGS, credit guarantee for Micro Finance Institutions (MFIs), special lending schemes for tourist guides/stakeholders, extension of PLI scheme etc. Along with this, higher outlay on infrastructure expenditure including 'Gati Shakti' project in the Union Budget 2022-23 is expected to accelerate the growth momentum.
7. Against the above backdrop, let me present before you the highlights of the Bank's performance and major initiatives taken by your Bank during the year 2021-22.
  - We are happy to announce that your Bank has posted a Net Profit of Rs. 3405 cr during FY22, with an increase of 57.60% over the previous year. With this, the Bank's Board of Directors have recommended dividend of 20% on equity shares subject to approval of shareholders in ensuing AGM.
  - Return on Assets (RoA) of the Bank improved from 0.28% in FY21 to 0.43% in FY22 and Returns on Equity (RoE) improved from 8.81% to 10.55%.
  - EPS improved from Rs.6.59 in FY21 to Rs.8.84 in FY22.
  - Credit Cost declined from 1.80% to 0.75% for the year FY22.
  - Slippage ratio came down from 2.41% in FY21 to 2.15% in FY22.
  - Capital Adequacy Ratio went up from 14.93% in March 2021 to 17.04% in March 2022.
  - Domestic CASA went up by 9.26% YoY and CASA percentage improved from 41.27% in March 2021 to 45.02% in March 2022.
  - Global Advances increased by 11.35% YoY against de-growth by 1.46% during FY21.
  - RAM advances increased by 15.70% YoY and its share in total advances went up from 51.66% to 54.97%.
  - Priority Sector Advances rose by 9.12% YoY and it constituted 41.55% of ANBC during the year, with agriculture credit achieving mandatory ratio of 18%.

- सकल एनपीए 19.33% घटकर मार्च 2021 में ₹.56535 करोड़ से मार्च 2022 में ₹.45605 करोड़ तक लाया गया है।
- सकल एनपीए अनुपात मार्च 2021 में 13.77% से घटकर मार्च 2022 में 9.98% हो गया है।
- निवल एनपीए अनुपात भी मार्च 2021 में 3.35% से घटकर मार्च 2022 में 2.34% पर आ गया है।
- प्रावधान कवरेज अनुपात(पीसीआर) मार्च, 2021 में 86.24% से बढ़कर 87.76% के उच्च स्तर पर रहा है।
- ब्याज दर के कम होने तथा खातों के ईबीएसआर में स्थानांतरित होने के कारण एनआईएम प्रभावित हुआ था और एनआईएम(वैश्विक) वित्तीय वर्ष 2021 में 2.48% से घटकर वित्तीय वर्ष 2022 के दौरान 2.36% पर आ गया था। तथापि बैंक के द्वारा अनेक उपाय किए जाने के कारण तिमाही एनआईएम मार्च, 2021 को समाप्त तिमाही में 2.01% से सुधरकर मार्च, 2022 को समाप्त तिमाही के दौरान 2.58% हो गया है।
- वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में बैंक ने एसबीवाई, जेजेबीवाई और एपीवाई में अपेक्षाओं से बेहतर प्रदर्शन किया है तथा आपके बैंक को पेंशन निधि नियामक एवं विकास प्राधिकरण से उत्कृष्टता अवार्ड प्राप्त हुआ है।

#### 8. पहल :-

आपका बैंक हमेशा से परिचालनात्मक कार्यक्षमता में सुधार करने के लिए विभिन्न पहल करता रहा है ताकि ग्राहकों को अधिक सहूलियत हो तथा बैंक की प्रतिस्पर्धा करने की शक्ति में वृद्धि होती रहे।

- आपके बैंक ने अब अपने तकनीकी प्लेटफॉर्म को फिनेकल-7 से अद्यतन करके फिनेकल-10 कर लिया है जो कि अत्याधुनिक बैंकिंग समाधान है जिसमें ग्राहकों की विभिन्न जरूरतों को पूरा करने वाले सर्वसमावेशी फीचर हैं।
- आपके बैंक द्वारा वर्ष के दौरान विभिन्न तकनीकी पहल की गई हैं, ई-प्लेटफॉर्म उनमें से एक है, जिसके जरिए बैंक कृषि, एमएसएमई तथा रिटेल में संपूर्ण डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया को उपलब्ध करवा सकेगा।
- एमएसएमई के क्षेत्र में बैंक ने फिन्टेक के सहयोग से या उनके साथ मिलकर ऋण देने की पहल की है, जिसे वि.व.2022-23 के दौरान और सुदृढ़ किया जाएगा।
- लीड प्राप्त करने तथा क्रेडिट को बढ़ाने के साथ-साथ प्रतिक्रिया समय को घटाने में अभूतपूर्व उन्नति करने हेतु बैंक ने प्रसंस्करण केंद्रों की संख्या बढ़ाई है। एसएमई सिटी सेंटरों की संख्या को बढ़ाकर 74 से 94 किया है, रिटेल कारोबार केंद्रों की संख्या 73 से बढ़ाकर 97 की है तथा कृषि विकास केंद्रों को 77 से बढ़ाकर 87 कर दिया है।
- बैंक ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान अनेक नए उत्पादों को शुरू किया जैसे कि स्टार सीपीएसयू, स्टार केयर, स्टार एमएफआई, स्टार कवच, स्टार किसान घर, स्टार बायो एनर्जी, स्टार किसान सहायता, किसान उत्पाद संगठनों को वित्तीय सहायता देने के लिए योजनाएं आदि।
- वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान भी आपका बैंक तकनीक एवं परिचालन की कई पहलें और योजनाएं लाता रहेगा ताकि कारोबार में वृद्धि तथा उपयोगिता बनी रहे।

9. मैं वर्ष 2021-22 के दौरान अपने पद से निवृत्त हुई, सरकार द्वारा नामित गैर-कार्यपालक निदेशक श्रीमती दक्षिता दास सहित आपके बैंक के बोर्ड के निदेशकों के प्रति उनके द्वारा दिये गये बहुमूल्य योगदान हेतु आभार प्रकट करता हूँ। बैंक भारत सरकार, भारतीय रिज़र्व बैंक, सेबी तथा अन्य

- Gross NPAs brought down by 19.33% from Rs.56,535 Cr in March 2021 to Rs.45,605 Cr in March 2022.
- Gross NPA ratio lowered from 13.77% in March 2021 to 9.98% in March 2022.
- Net NPA ratio also came down from 3.35% in March 2021 to 2.34% in March 2022.
- Provision Coverage Ratio (PCR) stood high at 87.76% against 86.24% in March 2021.
- On account of reduction in interest rate and migration of accounts to EBLR, NIM was impacted and the NIM (Global) came down from 2.48% during FY21 to 2.36% during FY22. However, with various measures taken by the Bank, quarterly NIM has improved from 2.01% during quarter ended March 2021 to 2.58% during quarter ended March 2022.
- In the field of Financial inclusion, the Bank has surpassed the stipulations on SBY, JJB and APY and your Bank has been conferred the award of excellence by the Pension Fund Regulatory and Development Authority.

#### 8. Initiatives

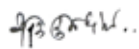
Your Bank has always been pursuing various initiatives for improving operational efficiency so as to improve customers' convenience and enhance competitive strength of the Bank. Let me recapitulate a few of them:

- Your Bank has now upgraded its technology platform from Finacle-7 to Finacle-10 which is a state-of-the art banking solution possessing comprehensive features that will meet the diverse needs of customers.
- Several other technological initiatives have been started by your Bank during the year; one of them is E-platform, by which the Bank will be able to provide end-to-end digitalization journey in Agri, MSME and Retail lending.
- In MSME field, co-lending and collaboration with Fintechs was initiated, which will be further strengthened during FY2022-23.
- For quantum jump in lead generation and credit growth as well as for reduction of TAT, the number of Processing Centres by the Bank has been enhanced. The number of SME City Centres has been increased from 74 to 94, the Retail Business Centres from 73 to 97 and Krishi Vikash Kendras from 77 to 87.
- A host of new products were introduced by the Bank during FY2021-22 such as Star CPSU, Star Care, Star MFIs, Star Kavach, Star Kisan Ghar, Star Bio Energy, Star Kishan Sahayata, Scheme for financial support to Farmers Producer Organisations etc.
- Your Bank will continue with several such initiatives and strategies, both on technology and operational fronts, during FY2022-23 so as to sustain its business growth and value creation.

9. I wish to place on record the valuable contribution made by the directors on your Bank's Board including Smt. Dakshita Das, the Non-Executive Government Nominee Director who demitted office during the year 2021-2022. The Bank also thanks the Government of India, Reserve Bank of India, SEBI and other regulatory authorities, who have provided

विनियामक प्राधिकरणों को भी धन्यवाद देता है जिन्होंने उत्कृष्ट सहयोग तथा बहुमूल्य मार्गदर्शन दिया। मैं, बैंक की ओर से तथा अपनी ओर से, अपने कारोबारी सहयोगियों, ग्राहकों, शेयरधारकों तथा हितधारकों, वित्तीय संस्थाओं और प्रतिनिधि बैंकों को, हमारे प्रति विश्वास, भरोसे एवं सहयोग हेतु, आभार प्रकट करता हूँ। अंत में, मैं बहुत कठिन परिस्थितियों में हमारे प्रतिबद्ध स्टाफ सदस्यों के निष्ठापूर्ण एवं अबाधित प्रयासों की सराहना करता हूँ। हम सभी बीओआई स्टेकधारकों के सतत संरक्षण, मार्गदर्शन एवं सहयोग की कामना करते हैं।

शुभकामनाओं सहित



(ए.के. दास)

एमडी एवं सीईओ

excellent support and valuable guidance. On behalf of the Bank and on my personal behalf, I would like to thank our Business Associates, Customers, Shareholders and all the Stakeholders, Financial Institutions and Correspondent Banks for their trust, faith and active association. Last but not the least, I commend the untiring efforts and perseverance of our staff, even in a very challenging environment. We look forward to continued patronage, guidance and support of all BOI stakeholders.

With warm regards



A. K. Das  
MD & CEO



## निदेशक रिपोर्ट

31 मार्च 2022 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए, लेखा-परीक्षित लेखा विवरण तथा नकद प्रवाह विवरण के साथ, बैंक की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए निदेशक मंडल को प्रसन्नता है।

### कार्य-निष्पादन:

#### घरेलू कारोबार :

- बैंक के समग्र घरेलू कारोबार में 3.43% वृद्धि हुई है। यह 31 मार्च 2021 को रु. 913,496 करोड़ था तथा यह 31 मार्च, 2022 को बढ़कर रु.944,824 करोड़ हो गया।
- कासा जमाराशियां, वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 9.26% वृद्धि के साथ रु.245,464 करोड़ रहीं। घरेलू जमाराशियों में कम लागत की जमाराशियों (कासा) की हिस्सेदारी यथा 31.03.2022 को 45.02% रही। बचत बैंक जमा में 9.74% की वृद्धि दर्ज की गई है और यह 31.03.2022 तक रु. 215,638 करोड़ हो गया। जबकि चालू जमा राशियों में 5.89% की वृद्धि दर्ज की गई और 31.03.2022 तक यह रु. 29,826 करोड़ हो गया।
- थोक जमाराशियों को कम करने की विचारपूर्वक रणनीति के कारण कुल जमाराशियों में ऋणात्मक वृद्धि हुई। कुल जमा 31.03.2021 को रु.551,135 करोड़ रुपये से 31.03.2022 तक रु. 550,833 करोड़ हो गया।
- सकल घरेलू अग्रिम, 8.73% वृद्धि के साथ, 31.03.2021 को रु. 362,361 करोड़ से बढ़कर, 31.03.2022 को रु. 393,991 करोड़ हो गए।
- यथा 31.03.2022, कुल अग्रिमों में राम अग्रिम (अर्थात् रिटेल, कृषि तथा एमएसएमई) की भागीदारी 54.97% (अर्थात् रु.216,567 करोड़) रही जो 31.03.2021 को 51.60% (अर्थात् रु.187,181 करोड़) थी।
- प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र ऋण, समायोजित निवल बैंक ऋण के 41.55% रहे और समायोजित निवल बैंक ऋण में कृषि ऋण की हिस्सेदारी 18.00% रही।
- रिटेल ऋणों में 18.54% की वृद्धि हुई है। रिटेल ऋण 31.03.2021 के रु.68,058 करोड़ से बढ़कर 31.03.2022 को रु.80,674 करोड़ हो गए। कुल घरेलू ऋण में रिटेल क्रेडिट का हिस्सा, यथा 31.03.2022 में 20.48% रहा।
- एमएसएमई ऋण दिनांक 31.03.2021 के रु. 63,425 करोड़ से 9.52% बढ़कर, दिनांक 31.03.2022 को रु.69,462 करोड़ हो गए। दिनांक 31.03.2022 को कुल घरेलू ऋण में से एमएसएमई ऋण का हिस्सा 17.63% था।

#### विदेशी कारोबार :

- विदेशी कारोबार में 12.92 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी तथा यह 31.03.2022 को रु.140,086 करोड़ के स्तर पर रहा जो 31.03.2021 को रु.124,053 करोड़ था।

- कुल विदेशी जमा में 1.43% की वृद्धि दर्ज की गई तथा यथा 31.03.2022 को यह रु.77,063 करोड़ के स्तर पर पहुंचा है जो 31.03.2021 को 75,978 करोड़ के स्तर पर था।

- यथा 31.03.2022, विदेशी ऋण-जमा अनुपात 81.78 प्रतिशत रहा।

#### वैश्विक कारोबार :

- बैंक के वैश्विक कारोबार ने 4.56% की वृद्धि दर्ज की। यह यथा 31 मार्च, 2021 को रु. 1,037,549 करोड़ था, वह यथा 31 मार्च 2022 को रु. 1,084,910 करोड़ हो गया।
- कुल जमाराशियां 31.03.2021 के रु. 627,114 करोड़ से बढ़कर 31.03.2022 को 627,896 करोड़ हो गईं।
- सकल अग्रिम 11.35% की वृद्धि के साथ यथा 31.03.2022 को रु. 457,014 करोड़ हो गया।
- यथा 31.03.2022, वैश्विक ऋण-जमा अनुपात 72.78% रहा।

#### वित्तीय मानदण्ड :

- यथा 31.03.2022 को परिचालन लाभ रु. 9,988 करोड़ रहा जो यथा 31.03.2021 को 10,273 करोड़ था।
- गैर ब्याज आय यथा 31.03.2021 को रु.6,842 करोड़ के स्तर से बढ़कर वित्तीय वर्ष-22 में रु.7,879 करोड़ हो गया।
- बैंक का शुद्ध लाभ वित्तीय वर्ष 2021 रु.2160 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष 2022 में रु.3,405 करोड़ रहा है।
- यथा 31.03.2021 के 14.93% की तुलना में पूंजी पर्याप्तता अनुपात यथा 31.03.2022 को 17.04% रहा।
- निवल मालियत (नेट वर्थ), यथा 31.03.2021 को रु.27,611 करोड़ से 33.76% की वृद्धि के साथ रु.36,933 करोड़ रहा।
- प्रतिशेयर बही मूल्य रु. 90.00 रहा।
- सकल एन.पी.ए राशि में 23.97% (अर्थात् रु. 10,930 करोड़) की कमी हुई। यह राशि 31.03.2022 को रु. 45,605 करोड़ के स्तर पर आ गई जो यथा 31.03.2021 को रु. 56,535 करोड़ थी।
- सकल एन.पी.ए का प्रतिशत जो 31.03.2021 को 13.77 प्रतिशत था, वह कम होकर 31.03.2022 को 9.98 प्रतिशत हो गया।
- निवल एन.पी.ए में 24.46 प्रतिशत (अर्थात् रु.2,410 करोड़) की कमी दर्ज की गयी। यह यथा 31.03.2022 को रु.9,852 करोड़ के स्तर पर आ गई जो 31.03.2021 को रु. 12,262 करोड़ थी।
- 31.03.2022 को निवल एन.पी.ए प्रतिशत, कम होकर 2.34 प्रतिशत हो गया जो 31.03.2021 को 3.35 प्रतिशत था।
- वर्ष 2021-22 के लिए बैंक के वित्तीय कार्य-निष्पादन का सार इस प्रकार है -

(राशि करोड़ में)

विवरण	2020-21	2021-22	वृद्धि (%)
निवल ब्याज आय	14270	14062	-1.46
गैर-ब्याज आय	6842	7879	15.16
परिचालन व्यय	10839	11952	10.27
परिचालन लाभ	10273	9988	-2.77
प्रावधान/आकस्मिकताएं	8112	6584	-18.84
निवल लाभ/हानि	2160	3405	57.63
प्रति शेयर आय (रु.)	6.59	8.84	34.14
प्रति शेयर बही मूल्य (रु.)	84.24	90.00	6.84
इक्विटी पर प्रतिफल (%)	8.81	10.55	
औसत आस्तियों पर प्रतिफल (%)	0.28	0.43	

प्रमुख वित्तीय अनुपात नीचे प्रस्तुत किए गए हैं

(प्रतिशत) (%)

विवरण	2020-21	2021-22
अग्रिमों पर प्रतिफल	7.48	6.76
निवेशों पर प्रतिफल	6.58	6.32
निधियों पर प्रतिफल	5.87	5.21
जमा राशियों की लागत	4.10	3.69
निधियों की लागत	3.81	3.29
निवल ब्याज मार्जिन	2.48	2.36
परिचालन व्ययों की तुलना में गैर ब्याज आय	63.12	65.92
औसत कार्यशील निधि की तुलना में अन्य आय	0.90	1.00
औसत कार्यशील निधि की तुलना में परिचालन व्यय	1.57	1.64
औसत कार्यशील निधि की तुलना में स्टाफ व्यय	0.94	0.97
औसत कार्यशील निधि की तुलना में अन्य परिचालन व्यय	0.63	0.67
आस्ति उपयोग अनुपात	1.49	1.37
कुल आय की तुलना में गैर-ब्याज आय	14.42	17.14
निवल आय की तुलना में गैर-ब्याज आय	32.41	35.91
आय अनुपात की तुलना में लागत	51.34	54.48

## पूँजी

वित्तीय वर्ष के दौरान, बैंक ने निम्नलिखित के अनुसार इक्विटी पूँजी जुटाई है:

विवरण	राशि (रु. करोड़ में)	आवंटन की तारीख
भारत सरकार को रु.71.23 प्रति शेयर (शेयर प्रीमियम सहित) की दर से अधिमानी निर्गम। भारत सरकार ने यह राशि 31.03.2021 को जमा की थी और इसे आवंटन लंबित रहते हुए शेयर आवेदन राशि के रूप में रखा गया था।	3000	11.06.2021
योग्य संस्थानों को प्लेसमेंट, रु.62.89 प्रति शेयर की दर से (शेयर प्रीमियम सहित)	2,550	31.08.2021

बैंक ने 30.09.2021 को बेसल III अनुपालन टियर II बांड जारी करके रु. 1,800 करोड़ जुटाए हैं।

वित्तीय वर्ष के दौरान, बैंक ने कॉल विकल्प का उपयोग करके निम्नलिखित बांडों को बुनाया है।

विवरण	राशि (करोड़ रुपये में)	मोचन की तिथि
8.57% टियर II बांड श्रृंखला -XIII	1,500	07.07.2021
8.00% टियर II बांड श्रृंखला XIV	1,000	25.03.2022

## पूँजी पर्याप्तता:

- बासेल III फ्रेमवर्क के अनुसार, बैंक की पूँजी पर्याप्तता अनुपात 17.04% था, जो कि विनियामक अपेक्षा अर्थात 11.50% से अधिक है।

- पूँजी पर्याप्तता (बासेल III) का विवरण निम्नानुसार है:

(रु. करोड़ में)

विवरण	बासेल - III			
	31.03.2021		31.03.2022	
सीईटी 1 सीआरएआर	34,690	11.51%	44,347	14.02%
एटी 1 सीआरएआर	1,352	0.44%	1,352	0.44%
टियर 1 पूँजी	36,042	11.96%	45,699	14.44%
टियर 2 पूँजी	8,949	2.97%	8,206	2.59%
कुल पूँजी	44,990	14.93%	53,905	17.04%
जोखिम भारित आस्तियां	301,305		316,395	

## कारोबार पहल:

- व्यवसाय विकास और बेहतर निर्णय लेने हेतु बेहतर ढंग से जुड़ने के लिए “एरिया मैनेजर” कार्यालय संरचना को युक्तिसंगत बनाया गया।
- “कासा” और “आरएएम अग्रिम” (खुदरा, कृषि और एमएसएमई) पर अधिक ध्यान देने और कॉर्पोरेट क्षेत्र के लिए एक्सपोजर को युक्तिसंगत बनाने की रणनीति।
- टर्नअराउंड समय को कम करके उत्पादकता और ग्राहक सेवा में सुधार के लिए वेब-आधारित - खुदरा ऑनलाइन मॉड्यूल आरंभ किया गया।
- स्वर्ण धारा - आकर्षक विशेषताओं के साथ गोल्ड लोन को बढ़ाया गया है।
- कृषि क्षेत्र में विशेष योजनाएँ जैसे स्टार किसान घर, स्टार बायो एनर्जी योजना, स्टार किसान सहायता ऋण आरंभ की गई है।
- रोटेल, कृषि तथा एमएसएमई ऋण प्रक्रिया में “एंड टू एंड डिजिटाइजेशन” अग्रिम चरण में है।
- “संपर्कहित प्लैटफॉर्म (psbloansin59minutes.com)” अविलंब मंजूरी तथा संवितरण के लिए।
- एमएसएफ फाइनेंशियल सर्विसेज के साथ सह-उधार टाई-अप सफलतापूर्वक शुरू किया गया है।